PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 029
दि. 29.05.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट, एक्शन में सीएम योगी, अफसरों को दिए सख्त निर्देश

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में सूर्यदेव के कड़े तेवरों के बीच भीषण गर्मी और लू का प्रकोप लगातार जारी है। राज्य में बढ़ते तापमान और मौसमी चुनौतियों को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरी तरह एक्शन मोड में आ गए हैं। सीएम योगी ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों (DMs), स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग और राहत एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रहने के कड़े निर्देश जारी किए हैं।

मुख्यमंत्री ने साफ कहा है कि आम जनता को इस तपती गर्मी में किसी भी तरह की किल्लत नहीं होनी चाहिए और राहत कार्यों में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आइए जानतें हैं प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्यों के लिए क्या गाइडलाइंस दी गई हैं...

बिजली और पानी की सप्लाई पर रखें पैनी नजर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे खुद मैदान में उतरकर व्यवस्थाओं का जायजा लें।

अस्पतालों की मॉनिटरिंग: वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अस्पतालों, पेयजल संकट वाले क्षेत्रों और बिजली आपूर्ति प्रणालियों पर चौबीसों घंटे कड़ी नजर रखें।

हीटस्ट्रोक मरीजों का इलाज: सरकारी अस्पतालों में लू और हीटस्ट्रोक (Heatstroke) से प्रभावित मरीजों के इलाज के लिए पर्याप्त और विशेष इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा गया है। दवाओं से लेकर वार्डों में कूलिंग की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश हैं।

राहत कार्य रहें मुस्तैद: मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा है कि राहत और बचाव कार्यों को लेकर पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता बरती जाए, ताकि आपातकालीन स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

मजदूरों और कामकाजी वर्ग की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

तपती धूप में पेट पालने के लिए निकलने वाले श्रमिकों को लेकर मुख्यमंत्री ने विशेष चिंता व्यक्त की है। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कार्यस्थलों पर मजदूरों को अत्यधिक थकान, डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) और हीटस्ट्रोक से बचाने के लिए विशेष ध्यान दिया जाए। उनके लिए पीने के पानी और छांव की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

UP में अगले 7 दिनों के मौसम का हाल

मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए ताजा पूवार्नुमान के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में अगले सात दिनों तक मौसम का मिजाज मिला-जुला रहने वाला है।

28 से 30 मई 2026: इस दौरान पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के अनेक स्थानों पर गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई है, जिससे तापमान में आंशिक गिरावट आ सकती है।

31 मई से 01 जून 2026: राज्य के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश की बौछारें पड़ने और 30 से 40 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज धूल भरी हवाएं चलने का अनुमान है।

02 जून 2026: इसके बाद संभाग में मौसम एक बार फिर पूरी तरह से शुष्क होने की संभावना है।

सीएम योगी की जनता से अपील: बरतें ये सावधानियां, लापरवाही पड़ सकती है भारी

प्रशासनिक मुस्तैदी के साथ-साथ मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की जनता से भी इस जानलेवा गर्मी और लू से बचने के लिए सतर्क रहने की भावुक अपील की है:

कमजोर वर्गों का रखें ख्याल: घर के बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि उन्हें हीटस्ट्रोक का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

पहनावे पर दें ध्यान: धूप में निकलते समय सूती (उड्ड३३ड्डल्ल) या खादी के ढीले-ढाले कपड़े पहनें, ताकि शरीर का तापमान संतुलित रहे।

आगजनी को लेकर बड़ी चेतावनी: मुख्यमंत्री ने सबसे महत्वपूर्ण बात यह कही है कि इस सूखे और गर्म मौसम में किसी भी तरह की ऐसी लापरवाही न बरतें, जिससे आग लगने का खतरा पैदा हो। गर्मी में एक छोटी सी चिंगारी भी बड़े हादसे का रूप ले सकती है।

30,000 करोड़ रुपये की 7 बड़ी परियोजनाओं की पीएम ने की समीक्षा, बोले- जल्द से जल्द सुलझाएं जल विवाद

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यों से कहा कि पानी से जुड़े विवाद जल्द सुलझाने के लिए मिलकर काम करें और समय पर मंजूरी दें। 51वीं प्रगति बैठक की अध्यक्षता करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर देरी का लोगों के जीवन पर सीधा असर पड़ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सोलर पैनल को मिशन मोड में अपनाया जाना चाहिए।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली: पानी से जुड़े विवाद जल्द सुलझाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यों से कहा कि मिलकर काम करें और समय पर मंजूरी दें। राज्यों से सहयोग, समय पर मंजूरी और तकनीक की मदद से निगरानी के माध्यम से अंतरराज्यीय जल विवादों का समाधान करने की अपील करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि केन-बेतवा परियोजना को एक आदर्श के रूप में काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि योजनाओं को लागू करने में देरी से न केवल लागत बढ़ती है, बल्कि नागरिकों को जरूरी सुविधाओं और विकास के लाभ भी समय पर नहीं मिल पाते।

सात महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा की गई

बुधवार शाम को आयोजित 51वीं प्रगति बैठक की अध्यक्षता करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर देरी का लोगों के जीवन, क्षेत्रीय विकास और सार्वजनिक संसाधनों पर सीधा असर पड़ता है। मीटिंग में नौ राज्यों में रेलवे, बिजली और सड़क क्षेत्र की लगभग 30,000 करोड़ रुपये की सात महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा की गई। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, की समीक्षा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इसे अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श के रूप में काम करना चाहिए, ताकि वे भी आपसी सहयोग, समय पर मंजूरी, प्रौद्योगिकी-आधारित निगरानी और 'मिशन-मोड' में काम करके राज्यों के बीच जल-संबंधी विवादों को सुलझा सकें।

भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके

बयान में कहा गया है कि राज्यों को ऐसे ही अन्य अवसरों की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, जहां नदी जोड़ो, जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और कुशल सिंचाई जैसे कार्यों

को एकीकृत तरीके से अपनाया जा सके, ताकि भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। प्रगति सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) सक्षम, मल्टी-मॉडल प्लेटफॉर्म है। इसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों को सुचारू रूप से एकीकृत करके सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री ने केन-बेतवा लिंक परियोजना के अलावा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के दूसरे संस्करण की भी समीक्षा की।

सोलर पैनल को मिशन मोड में अपनाया जाना चाहिए

मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि बिजली की लागत को कम करने, ऊर्जा सुरक्षा में सुधार करने तथा घरेलू और सामुदायिक स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए छतों पर सोलर पैनल को मिशन मोड में अपनाया जाना चाहिए। सड़क और बंदरगाह कनेक्टिविटी परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए, इस बात पर जोर दिया गया कि वधावन बंदरगाह को 'बंदरगाह-आधारित, बहु-माध्यम विकास' के एक मॉडल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जिसमें भविष्य को ध्यान में रखते हुए परिवहन के हर प्रमुख माध्यम को जोड़ा जाए।

नहर नेटवर्क का नये तरीकों से इस्तेमाल पर हो विचार

इस परियोजना को केवल एक बंदरगाह के रूप में नहीं, बल्कि एक 'राष्ट्रीय प्रवेश द्वार' के रूप में देखा जाना चाहिए, जो तटीय नौवहन, अंतदेर्शीय जलमार्गों, समर्पित माल ढुलाई गलियारों, हाई-स्पीड रेल कनेक्टिविटी, राजमार्गों और हवाई अड्डों से जुड़ा हो। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि नहर नेटवर्क का नये तरीकों से इस्तेमाल करने के तरीकों पर विचार किया जाना चाहिए, जिसमें नहरों के किनारे और उनके ऊपर सोलर पैनल लगाना भी शामिल है।

अमेरिका से मुख्यमंत्री धामी, योगी और हिमंता पर निशाना, भाजपा ने विदेश से हस्तक्षेप को बताया अस्वीकार्य

अमेरिका में एक सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री धामी, योगी और हिमंता बिस्वा सरमा को हिंदू संस्कृति पर उनके मुखर विचारों के लिए निशाना बनाया गया।

(जीएनएस)।

देहरादून। हिंदू संस्कृति और सनातन परंपरा को लेकर मुखर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत भाजपा शासित तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों पर अब विदेश विशेष रूप से अमेरिका से निशाना साधा जा रहा है।

यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन आन इंटरनेशनल रिलिजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) की सुनवाई के दौरान धामी के साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को घेरने का प्रयास किया गया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य महेंद्र भट्ट ने इस पर सख्त आपत्ति जताते हुए कहा कि धामी, योगी और हिमंता को अमेरिका में निशाना बनाने की कोशिश अस्वीकार्य है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि अमेरिका के इस तथाकथित धार्मिक स्वतंत्रता आयोग की सुनवाई में भारत के तीन ऐसे मुख्यमंत्रियों को घेरने की कोशिश की गई, जो लगातार हिंदू संस्कृति, सनातन परंपरा और राष्ट्रहित की बात खुलकर करते रहे हैं।

इस सुनवाई में एक वामपंथी-लिबरल एक्टिविस्ट रकीब अहमद नाइक ने हिंदुत्व विचारधारा, राष्ट्रवादी संगठनों और भारत की लोकतांत्रिक सरकारों के खिलाफ बयानबाजी की।

साथ में पुष्कर सिंह धामी, योगी आदित्यनाथ और हिमंता बिस्वा सरमा पर प्रतिबंध लगाने की मांग तक कर दी गई। यही नहीं, आरएसएस, बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठनों को भी निशाना बनाया गया है।

उन्होंने इसे हिंदुत्व की सबसे मजबूत आवाजों पर विदेशी मंच से हमला बताते हुए दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। भट्ट ने कहा कि देश में अपनी संस्कृति, धर्म और सभ्यता की बात होने पर कुछ व्यक्तियों को इतनी तकलीफ होने लगी है कि वे सात समंदर पार जाकर भारत की छवि खराब करने में जुटे हैं।

उत्तराखंड में धामी सरकार समान नागरिक संहिता, अवैध कब्जों और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर सख्त कदम उठा रही है। वहीं उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने माफिया और कट्टरपंथ के खिलाफ कार्रवाई कर कानून का डर स्थापित किया है।

असम में हिमंता बिस्वा सरमा घुसपैठ और जनसंख्या असंतुलन जैसे मुद्दों को लगातार उठा रहे हैं।

पीएम मोदी से मिले मंत्री विजय सिन्हा:कृषि विकास पर हुई चर्चा

राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में फसल, किसानों की आय बढ़ाने पर होगा मंथन

पटना, बिहार सरकार के कृषि मंत्री विजय सिन्हा ने आज नई दिल्ली पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री आवास पर दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे तक बातचीत हुई।

कृषि मंत्री बनने के बाद विजय सिन्हा की प्रधानमंत्री मोदी से यह पहली औपचारिक मुलाकात रही।

मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में इसे बिहार के कृषि क्षेत्र से जुड़े बड़े संकेतों के रूप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद विजय सिन्हा ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि 'विकसित बिहार, विकसित भारत' के संकल्प को कृषि क्षेत्र में साकार करने को लेकर प्रधानमंत्री मोदी से सकारात्मक और प्रेरणादायी चर्चा हुई।

उन्होंने बताया कि बातचीत के दौरान कृषि क्षेत्र में युवाओं और महिला उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाने, आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने तथा किसानों की आय में वृद्धि के उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद विजय सिन्हा ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद

विजय सिन्हा ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की।

विजय सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का विजन और कृषि-क्रांति के प्रति उनका समर्पण देशभर के किसानों और जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में बिहार का कृषि क्षेत्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा और खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकेगा।

दिल्ली में कृषि मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन पर नजर

दिल्ली में शुक्रवार को देश के सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। इस सम्मेलन से पहले आज कृषि विभाग के सचिवों की बैठक भी आयोजित होने वाली है जिसमें कृषि उत्पादन, तकनीक, सिंचाई और किसानों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी ।बिहार की ओर से कृषि मंत्री विजय सिन्हा भी इस राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

दिल्ली पहुंचने के बाद विजय सिन्हा ने कहा, बैठक में खरीफ फसल, जिसे बिहार में शारदीय फसल कहा जाता है, उस पर विशेष रूप से चर्चा होगी।

उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान कैसे हो, खेती की लागत कैसे कम की जाए और उपज को कैसे बढ़ाया जाए, इस दिशा में विचार-विमर्श होगा।

बीजेपी ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और त्रिपुरा के बदले प्रदेश अध्यक्ष, कहां-किसे सौंपी कमान?

भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने संगठनात्मक स्तर पर एक बड़ा और रणनीतिक फेरबदल किया है। आज गुरुवार, 28 मई 2026 को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन

नवीन के निर्देशानुसार देश के 4 महत्वपूर्ण राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के लिए नए प्रदेश अध्यक्षों की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है।

पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह द्वारा जारी इस लिस्ट के जरिए बीजेपी ने आगामी चुनावों के मद्देनजर क्षेत्रीय, सामाजिक और महिला समीकरणों को साधने की एक बड़ी कोशिश की है। आइए जानतें हैं संगठन में किस तरह से जिम्मेदारियों का बंटवारा किया गया है।

सीबीएसई के 'ओएसएम' सिस्टम पर मचा बवाल, सच में बदल गईं 12वीं के छात्रों की कॉपियां? शिक्षा मंत्री के बयान से हडकंप

(जीएनएस)।

NEET UG पेपर लीक विवाद के बाद अब देश में परीक्षा व्यवस्था और रिजल्ट सिस्टम को लेकर सवाल और तेज हो गए हैं। इसी बीच CBSE के 12वीं बोर्ड रिजल्ट में सामने आई गड़बड़ियों ने लाखों छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। कई छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें दिखाई गई स्कैन कॉपी उनकी लिखावट से मेल नहीं खा रही थी।

सोशल मीडिया पर छात्रों ने लगातार शिकायतें कीं, जिसके बाद मामला बड़ा बन गया। अब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने खुद सामने आकर माना है कि कुछ दिक्कतें हुई हैं और सरकार इसे गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों की हर शिकायत सुनी जाएगी और जिम्मेदारी भी तय होगी। CBSE ने अब नई तकनीक की निगरानी के लिए कक्ळ और सरकारी बैंकों की मदद ली है।

CBSE ने शुरू की रीवैल्यूएशन

प्रक्रिया

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को जानकारी दी कि उइरए ने 12वीं बोर्ड परीक्षा की रीवैल्यूएशन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए कक्ळ कानपुर और कक्ळ मद्रास जैसी बड़ी संस्थाओं को तकनीकी निगरानी में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि चार सरकारी बैंक - रइक् इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और केनरा बैंक को भी पेमेंट सिस्टम से जोड़ा गया है ताकि छात्र आसानी से आवेदन कर सकें और प्रक्रिया में किसी तरह की दिक्कत न आए।

सरकार ने मानी गड़बड़ी

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सरकार यह मानती है कि रिजल्ट प्रक्रिया में कुछ गड़बड़ियां सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इसकी जिम्मेदारी स्वीकार करती है और सुधार के कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी छात्र की शिकायत को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। अधिकारियों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि हर शिकायत का समाधान किया जाए और जहां गलती हुई है वहां जवाबदेही तय हो।

ऐशिया पेसिफिक सेक्यूरिटी रिपोर्ट: भारत के सामने मंडरा रहा डबल खतरा? डरा रही आईएसएस की 150 पन्नो की रिपोर्ट, नो पीस का जिक्र

IISS की नई रिपोर्ट में चीन और पाकिस्तान को भारत की सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती बताया गया है. रिपोर्ट में Surgical Strikes और एशिया में बढ़ते तनाव का जिक्र किया गया है.

(जीएनएस)।

सिंगापुर में इस सप्ताहांत में होने वाले एक अंतरराष्ट्रीय रक्षा संवाद से पहले जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत की पारंपरिक सुरक्षा चिंताओं का केंद्र पाकिस्तान और चीन बने रहेंगे. रिपोर्ट में कहा गया है कि भविष्य में यदि कोई "बड़ा पारंपरिक युद्ध" होता है तो वह स्थानीय स्तर तक सीमित रहेगा. इसमें उल्लेख किया गया है कि भारत ने अब तक केवल पाकिस्तान के खिलाफ ही 'सर्जिकल स्ट्राइक' की हैं.

रिपोर्ट लंदन स्थित 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज' (आईआईएसएस) ने प्रकाशित की है. आईआईएसएस की 28 मई की 'एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय सुरक्षा आकलन'

रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपने दोनों परमाणु-संपन्न पड़ोसी देशों के साथ लंबे समय से जारी सीमा विवादों के कारण अपनी सेना को बड़े पैमाने पर पारंपरिक युद्ध अभियानों के लिए तैयार कर रहा है. रिपोर्ट में कहा गया कि चीन के साथ भारत के सीमा संघर्ष अपेक्षाकृत पारंपरिक प्रकृति के रहे हैं और इनके भारत-पाकिस्तान संघर्षों जैसी गंभीर स्थिति तक पहुंचने की आशंका कम है.

भारत की बड़ी चुनौती चीन-पाक की 'हाइब्रिड जंग

150 पन्नों की इस रिपोर्ट में कहा गया है, "ऐसे में भारत की चीन और पाकिस्तान दोनों के साथ सैन्यीकृत सीमाएं बनी रहेंगी." इसमें कहा गया है कि भारत के हिंद महासागर क्षेत्र से आगे व्यापक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सक्रिय सैन्य भूमिका निभाने की संभावना नहीं है और वह ताइवान को लेकर अमेरिका-चीन संघर्ष में पड़ने से बचना चाहेगा. रिपोर्ट के अनुसार, भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती चीन और पाकिस्तान के साथ "न युद्ध, न शांति" जैसी "हाइब्रिड" स्थिति है. इसमें कहा गया है कि कई युद्धों के अनुभवों ने भारत की सैन्य रणनीति को आकार दिया है।

इबोला पर अहमदाबाद से राहत की खबर! संदिग्ध मरीज की रिपोर्ट आई नेगेटिव

अहमदाबाद से इबोला वायरस को लेकर राहत की खबर सामने आई है. अफ्रीकी देश कांगो से भारत आए 37 साल के कारोबारी अमूरी लोकुला की इबोला जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है. संदिग्ध लक्षण मिलने के बाद उन्हें

अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था. रिपोर्ट आने के बाद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन ने राहत की सांस ली है, क्योंकि पिछले कुछ दिनों से इस मामले ने लोगों की चिंता बढ़ा दी थी.

कांगो से भारत लौटे अमूरी लोकुला करीब 11 दिन पहले सबसे पहले मुंबई पहुंचे थे. इसके बाद वह अपने काम के सिलसिले में सिलवासा और दमन भी गए।

मुख्यमंत्री योगी 29 मई को मऊ पहुंचेंगे:ग्रामीण सैनिक अस्पताल का शुभारंभ कर जनसभा को संबोधित करेंगे

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 29 मई को मऊ जनपद पहुंचेंगे। वे ताजेपुर वार्ड में स्थित ग्रामीण सैनिक अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। इस अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस अस्पताल का शुभारंभ करने के बाद मुख्यमंत्री एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

ग्रामीण सैनिक अस्पताल के निदेशक रिटायर्ड ब्रिगेडियर डॉ. पी.एन. सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके विशेष आग्रह पर अस्पताल के उद्घाटन के लिए मऊ आ रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री अस्पताल परिसर में स्थापित डॉ. सिंह की पत्नी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री लगभग दो घंटे तक कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

डॉ. सिंह के अनुसार, यह अस्पताल आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित है। यहां वे सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी जो आमतौर पर बड़े महानगरों के अस्पतालों में मिलती हैं। अस्पताल का मुख्य उद्देश्य आम जनता, गरीबों और जरूरतमंदों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है।

अस्पताल की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यहां बेड का शुल्क मात्र ₹1 निर्धारित किया गया है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को भी बेहतर इलाज आसानी से मिल सकेगा। डॉ. सिंह ने इसे जनहित में एक बड़ी सौगात बताया।

मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है।

लखीमपुर से तीन दिन पहले अपहृत युवती का लखनऊ के होटल में मिला शव, बैग में मिले नये कपड़े

(जीएनएस)।

लखनऊ। लखीमपुर खीरी की युवती ने नाका होटल मिलन में गुरुवार को फांसी लगाकर जान दे दी। वह रूम नंबर 23 में अकेले रुकी थी युवती। युवती की पहचान लखीमपुर निवासी 22 वर्षीय गुंजन मिश्रा के रूप में हुई है। जिसके अपहरण का केस वहां के खीरी सदर कोतवाली में दर्ज है।

नाका हिंडोला पुलिस ने परिवार के लोगों को शव मिलने की सूचना भेजी। परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया है कि युवती घर से एक भी रुपया लेकर नहीं निकली थी। आज जब उसका शव मिला तो उसके बैग में तीन-चार जोड़ी नए कपड़े और मोबाइल फोन मिला है। परिवार के लोग उसके अपहरण की रिपोर्ट कराने के बाद खुद भी तलाश कर रहे थे।

थाना नाका हिंडोला कमिश्नरेट लखनऊ क्षेत्र के होटल के कमरे में युवती के फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में पुलिस ने बताया कि युवती 25 मई से होटल मिलन के कमरा नंबर-23 में रुकी थी। महेवा गंज जनपद खीरी की गुंजन मिश्रा के 27 मई को काफी समय तक कमरे से बाहर न निकलने पर होटल स्टाफ को संदेह हुआ, जिसके बाद होटल कर्मियों ने शाम सात बजे डायल-112 पर सूचना दी।

नाका हिंडोला पुलिस मौके पर पहुंची और पाया गया कि कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। होटल स्टाफ की उपस्थिति में दरवाजा खुलवाकर कमरे के अंदर प्रवेश किया गया, जहां उक्त युवती दुपट्टे के सहारे पंखे से लटकी हुई मिली। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। सूचना पर मृतका के परिवार के लोग भी मौके पर पहुंचे। इंस्पेक्टर नाका हिंडोला के मुताबिक आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। युवती एमए संस्कृत की सेकंड ईयर की छात्रा थी।

भाई संदीप सिंह ने बताया कि 25 तारीख को घर में सभी लोग खाना खा रहे थे। तभी गुंजन पानी लेने के लिए नीचे उतरी थी। उसके बाद जब 20 मिनट तक वापस नहीं आई तो देखने गए। इसके बाद जब परिवार के सदस्य नीचे उतरे तो देखा दरवाजा खुला था। उसके बाद परिवार ने तलाशना शुरू किया। भाई ने बताया कि काफी देर ढूंढने के बाद जब गुंजन नहीं मिली तो उसको ढूंढने का प्रयास किया गया। इसके बाद 25 तारीख को ही सदर कोतवाली में अपहरण का मुकदमा दर्ज करवाया था। इसके बाद सीसीटीवी में नजर आया कि बहन घर से अकेली निकली थी। आसपास के रिश्तेदारों से मोहल्ले में पता किया पर कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद 27 मई को लखनऊ के नाका थाने से रात करीब नौ बजे फोन आया कि बहन का शव मिला है।

परिवार के लोगों ने बताया कि गुंजन घर से ना कोई पैसा लेकर निकाली थी ना कोई फोन। उसने स्कूटी लेने के लिए 35 हजार रुपये बचाकर रखे थे, जो कि घर में ही हैं। लखनऊ में उसके बैग से तीन-चार जोड़ी नए कपड़े, एक मोबाइल फोन और कुछ रुपये भी मिले हैं।

लखनऊ में बिजली चोरी पकड़ने गए JE पर जानलेवा हमला: पहले लात-घूंसे और बेलचे से पीटा, फिर पालतू कुत्ता छोड़ा

लखनऊ में बिजली चोरी पकड़ने गई छएरअ और विजिलेंस टीम पर आरोपियों ने जानलेवा हमला कर दिया. दबंगों ने जूनियर इंजीनियर अशोक कुमार को लात-घूसों और लोहे के बेलचे से पीटा और उन पर अपना पालतू कुत्ता छोड़ दिया. इस बर्बर हमले में जेई लहूलुहान हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

(जीएनएस)।

लखनऊ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां बिजली चोरी पकड़ने गई विजिलेंस और लेसा की टीम पर जानलेवा हमला कर दिया गया. जानकीपुरम थाना क्षेत्र में चेकिंग करने पहुंचे जूनियर इंजीनियर को दबंगों ने न सिर्फ बेलचे से पीटा, बल्कि उन पर अपना पालतू कुत्ता भी छोड़ दिया. इस खौफनाक हमले में जेई लहूलुहान हो गए हैं. वहीं एक अन्य घटना में भीड़ ने संविदाकर्मियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा.

पूरी घटना जानकीपुरम जोन के नहर रोड इलाके की है. यहां बिजली

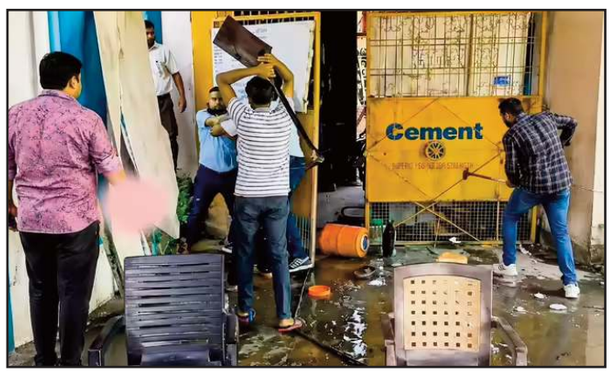

चोरी की पुख्ता सूचना मिलने पर जूनियर इंजीनियर (रेड) अशोक कुमार, जेई राधेश्याम यादव और संविदाकर्मी आयुष गौर, शिवम व मनीष के साथ अजय दीक्षित नामक व्यक्ति के परिसर पर छापेमारी करने पहुंचे थे. टीम ने जैसे ही मीटर की जांच शुरू की, आरोपी और उसके साथियों ने टीम को घेर लिया. गाली-गलौज से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया.

दबंगों ने टीम पर लात-घूसों की बरसात कर दी. इसी बीच एक आरोपी ने जूनियर इंजीनियर अशोक कुमार के सिर पर लोहे के बेलचे (फावड़े) से जोरदार हमला कर दिया. इसके बाद भी जब आरोपियों का मन नहीं भरा, तो उन्होंने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए अपना पालतू कुत्ता बिजली विभाग की टीम पर छोड़ दिया. कुत्ते के काटने और बेलचे के वार से जेई लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े. वारदात के बाद आरोपियों ने कर्मियों के मोबाइल भी छीन लिए.

इस मामले पर जानकीपुरम जोन के मुख्य अभियंता बीपी सिंह ने कहा कि बिजली चोरी की सूचना पर टीम जांच के लिए गई थी. आरोपियों ने जानलेवा हमला किया और कुत्ते से कटवाया है. इस मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया गया है.

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी अलीगंज शशि प्रकाश मिश्र ने बताया कि मारपीट करने वाले आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है. मौके के वीडियो फुटेज खंगाले जा रहे हैं. वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है, जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा.

लखनऊ में प्रदर्शित हुई 1794 की दुर्लभ पांडुलिपि, भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का विस्तृत वर्णन

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजकीय अभिलेखागार में बुधवार को वर्ष 1794 की दुर्लभ पांडुलिपि को प्रदर्शित किया गया। इसमें भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का उल्लेख है।

साथ ही उनसे जुड़े लगभग 400 मनोहारी चित्र भी हैं। प्रत्येक पृष्ठ पर दोहा और चौपाई के साथ चित्रों का विस्तृत विवरण भी अंकित है।

ऐसी कई पांडुलिपियों के बारे में करीब 250 छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया। इनमें से 100 विद्यार्थियों को पांडुलिपि मित्र के रूप में 15 दिनों के लिए चयन किया जाएगा, जो राष्ट्रीय सर्वेक्षण कार्यक्रम के तहत कार्य करेंगे।

अभिलेखागार में ज्ञानभारतम् मिशन के अंतर्गत आयोजित "पांडुलिपि अभिरुचि कार्यशाला" में भारतीय ज्ञान परंपरा, इतिहास और प्राचीन धरोहरों के संरक्षण को लेकर प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्य अतिथि पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि ज्ञानभारतम् मिशन के माध्यम से देश लगभग एक करोड़ पांडुलिपियों को एकत्रित और संरक्षित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आज ऐसा मजबूत मिशन तैयार हो चुका है, जिसके जरिए आम लोग भी अपनी पारिवारिक और निजी पांडुलिपियों को सुरक्षित रख सकते हैं।

विशिष्ट अतिथि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के आधुनिक भारतीय इतिहास विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. सुशील कुमार पांडेय ने कहा कि वर्तमान समय की अनेक चुनौतियों का समाधान भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित है और पांडुलिपियां हमारी बौद्धिक विरासत की सबसे महत्वपूर्ण धरोहर हैं।

यहां वर्ष 1967 की पांडुलिपि में भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित सात सुंदर चित्रों के साथ भगवद्गीता के सभी 700 श्लोक भी दिखाए गए। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में डा. वंदना सिंह ने ज्ञानभारतम् पोर्टल, मोबाइल एप और पांडुलिपि सर्वेक्षण की जानकारी दी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. अशोक शतपथी ने पांडुलिपियों की पहचान और राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के बारे में बताया। सहायक निदेशक (संरक्षण) विजय कुमार श्रीवास्तव ने पांडुलिपि सर्वेक्षण के दौरान सावधानी बरतने के सुझाव दिए। इस अवसर पर 'ज्ञानभारतम् निर्देशिका' और 'कोलोनियल लखनऊ' पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

लखनऊ और फिरोजाबाद में शांतिपूर्ण तरीके से मनाई जा रही बकरीद, मुख्तार अब्बास नकवी ने भी पढ़ी नमाज

(जीएनएस)।

देशभर में बकरीद के मौके पर नमाज अदा की जा रही है। उत्तर प्रदेश में भी ईद-उल-अजहा की नमाज पढ़ी जा रही है। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

लखनऊ, देशभर में बकरीद के मौके पर नमाज अदा की जा रही है। उत्तर प्रदेश में भी ईद-उल-अजहा की नमाज पढ़ी जा रही है। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

लखनऊ पश्चिम के डीसीपी कमलेश दीक्षित ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि ईद-उल-अजहा के मौके पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। लोगों का आवागमन निर्बाध रूप से जारी रहे, इसके लिए पार्किंग के विशेष प्रबंध किए गए हैं। पुलिसकर्मियों की सादे कपड़े में ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने कहा कि क्यूआरटी की टीमें तैनात की गई हैं और पीएसी के भी जवान सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय कमेटी के लोगों से भी बात कर ली गई है, जिससे कि उनके वॉलिंटियर्स भी लोगों की मदद करते रहें।

लखनऊ के टीले वाली मस्जिद में नमाज पढ़ने आए एक नमाजी ने आईएएनएस से कहा कि सभी लोगों को मुबारकबाद और शांति का माहौल बनाए रखना चाहिए। आज के दिन सभी मुसलमान कुबार्नी देते हैं।

फिरोजाबाद ग्रामीण के एसपी अनुज चौधरी ने भी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि पिछले कई दिनों से पुलिस-प्रशासन शांति और उचित व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार बैठकें कर रहा था और सभी के साथ तालमेल बिठा रहा था। सभी समुदायों के लोगों ने सहयोग किया और प्रशासन के निदेर्शों का पालन किया। इसकी वजह से कोई अप्रिय घटना नहीं हुई, सड़कें अवरुद्ध नहीं हुईं और शांतिपूर्वक नमाज संपन्न हुई।

ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने आईएएनएस से कहा कि ईद-उल-अजहा की तमाम मुसलमानों और इंसानों को मुबारकबाद। उन्होंने मस्जिदों, इबादतगाहों और इमामबाड़ों में नमाज पढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज के दिन कुबार्नी की जाती है, जो कुबार्नी नहीं कर सकता वो हिस्सा लेता है। परिवार, पड़ोसियों और गरीबों के ख्याल रखना ही कुबार्नी की मकसद है।

भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने दिल्ली के पंचकुइयां रोड स्थित इमामिया हॉल शिया जामा मस्जिद में ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की।

मतांतरण पर यूपी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, जालौन से लखनऊ जा रही बस को रोका, धर्म परिवर्तन की आशंका पर 30 ग्रामीणों को उतारा

जालौन। यूपी पुलिस ने मतांतरण पर बड़ी कार्रवाई की है। जालौन में मतांतरण की आशंका पर पुलिस ने प्राइवेट बस से लखनऊ जा रहे 30 ग्रामीणों को रोक लिया। विश्व हिंदू परिषद की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया, जबकि दो फरार हैं।

विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं की ओर से मतांतरण की शिकायत पर प्राइवेट बस से लखनऊ जा रहे 30 ग्रामीणों को बुधवार की रात कुठौंद पुलिस ने छुड़ाया। इन्हें ले जा रहे एक आरोपित सिरसा कलार निवासी विवेक दोहरे को गिरफ्तार कर लिया गया है। दो आरोपित फरार हो गए। पुलिस ने तीन के खिलाफ विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

छुड़ाए गए ग्रामीणों में अधिकांश जिले के ही ग्रामीण क्षेत्र के हैं, सभी को पुलिस ने निजी साधन से उनके घर पहुंचा दिया है। तीन महिलाओं के पास ईसाई मत से जुड़ी पुस्तकें भी मिली हैं। फरार आरोपितों की तलाश के लिए दो पुलिस टीमों को लगाया गया है। बस को थाना परिसर में खड़ा करा दिया गया है। आरोपित के अनुसार इन

लोगों को वह लखनऊ के उतरेटिया में आयोजित होने वाली प्रार्थना सभा में ले जा रहा था।

गरीबों को पैसा का लालच देकर ले जा रहे थे

विहिप के प्रखंड अध्यक्ष पंकज शुक्ला ने कुठौंद पुलिस को बताया कि उन्हें सूचना मिली है कि कुठौंद थाना क्षेत्र के ग्राम ऊद के अलावा सिरसा कलार व आसपास में कुछ लोग नेटवर्क बनाकर गरीबों को पैसों का लालच देकर प्रार्थना सभाओं में ले जाने का काम करते हैं। इसकी भनक जब विहिप के कार्यकताओं को लगी तो वह इसकी निगरानी करने लगे।

रात में बस को रोका

बुधवार को विहिप के प्रखंड अध्यक्ष को सूचना मिली कि एक प्राइवेट बस द्वारा 25 से 30 लोगों को विभिन्न गांवों से लिवाकर लखनऊ प्रार्थना सभा में ले जाया जा रहा है। जहां पर उनका ईसाई मत में मतांतरण कराए जाने की आशंका है। इसके बाद प्रखंड अध्यक्ष ने अपने साथी कार्यकर्ता अनिकेत, हिमांशु दीक्षित, पंकज शुक्ला, विनोद, हिमांशु दीक्षित, विपुल द्विवेदी, विवेक सिंह के साथ कुठौंद में बुधवार रात को बस आने का इंतजार किया। रात करीब नौ बजे जैसे ही बस कुठौंद कस्बे पहुंची तो विहिप कार्यकताओं ने बस को रोका तो चालक मौके से भाग निकला।

थाने में खड़ी कराई गई बस

इसके बाद बस को थाने में खड़ा करा दिया और उसमें सवार महिला व पुरुषों से पुलिस ने पूछताछ की तो सभी ने मतांतरण की बात से इन्कार कर दिया। सीओ शैलेंद्र कुमार वाजपेयी भी मौके पर पहुंचे। आरोपित जिले के ही सिरसा कलार कस्बा निवासी विवेक कुमार दोहरे ने बताया कि इन सभी को लखनऊ के उतरेटिया में आयोजित होने वाली प्रार्थना सभा में ले जा रहा था। बस में सवार तीन महिलाओं के पास इसाई मत की धार्मिक पुस्तकें भी मिलीं।

ग्रामीणों को वापस भेजा गया

सभी ग्रामीणों को दूसरे साधनों से उनके गांव भेज दिया गया। देर रात पुलिस ने विहिप प्रखंड अध्यक्ष पंकज शुक्ला की तहरीर पर सिरसा कलार निवासी विवेक कुमार दोहरे, ग्राम ऊद निवासी मोहित चौधरी व अमित के विरुद्ध लोगों को गुमराह कर विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दो की तलाश

कुठौंद थाना प्रभारी जगदंबा प्रसाद दुबे ने बताया कि तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज कर फरार दो आरोपितों की तलाश की जा रही है। विहिप कार्यकताओं की ओर से मिली सूचना के आधार पर प्राइवेट बस से 30 ग्रामीणों को छुड़ाया गया है, आरोप है कि यह मतांतरण के लिए ले जाए जा रहे थे, एक आरोपित भी गिरफ्तार किया गया है, उसने बताया कि इन ग्रामीणों को वह लखनऊ के उतरेटिया में आयोजित प्रार्थना सभा में ले जा रहा था। तीन लोगों के खिलाफ मतांतरण कराने की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

प्रसिद्ध उर्दू शायर बशीर बद्र का 91 वर्ष की आयु में निधन

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो,
न जाने किस गली में ज़िंदगी की शाम हो जाए
'शोहरत की बुलंदी भी एक पल का तमाशा है,
जिस शाख पे बैठे हो वो टूट भी सकती है।'
– अन्दलीब अख़्तर

(जीएनएस)।

प्रसिद्ध उर्दू शायर, आधुनिक गजल के उस्ताद और पद्मश्री सम्मानित डॉ. बशीर बद्र का आज भोपाल में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके जाने से दुनिया भर में लाखों प्रशंसक शोकाकुल हैं, क्योंकि उर्दू शायरी ने अपनी सबसे प्यारी आवाजों में से एक को खो दिया। उनकी शायरी ने मोहब्बत, तन्हाई, इंतजार और ज़िंदगी के गहरे जख़्मों को शब्द दिए। उनके अशआर महज अल्फाज नहीं थे, बल्कि ऐसी भावनाएँ थीं जो पीढ़ियों के दिलों में ज़िंदा रहीं। अब वे खुद एक याद बन गए हैं, लेकिन उनकी अमर गजलें और अविस्मरणीय शेर हमेशा महफि लों, तन्हा दिलों और उर्दू जबान की रूह में गूंजते रहेंगे।

15 फरवरी 1935 को अयोध्या में जन्मे डॉ. बद्र ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से बी.ए., एम.ए. और पीएच.डी. की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में लेक्चरर के रूप में की और बाद में मेरठ कॉलेज में लगभग 17 वर्षों तक उर्दू विभागाध्यक्ष रहे।

उर्दू, फारसी, हिंदी और अंग्रेजी पर उनकी गहरी पकड़ थी और उन्होंने सात से अधिक उर्दू कविता संग्रह तथा एक हिंदी में लिखा। इकाई, इमेज, आमद, आहट, आस और कुल्लियाते बशीर बद्र उनके प्रमुख संग्रह हैं। आलोचना की दुनिया में भी उन्होंने आजादी के बाद उर्दू गजलों का तनकीदी मुताला और बीसवीं सदी में गजल जैसी महत्वपूर्ण कृतियाँ दीं।

उनकी गजलें देवनागरी और गुजराती लिपि में भी प्रकाशित हुईं और अंग्रेजी व फ्रेंच में अनुवादित होकर अंतरराष्ट्रीय पाठकों तक पहुँचीं। उन्हें पद्मश्री सहित कई सम्मान मिले, उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी ने चार बार और बिहार उर्दू अकादमी ने एक बार सम्मानित किया।

उनका संग्रह आस, जिसमें 69 गजलें हैं, आधुनिक उर्दू शायरी का नगीना माना जाता है। कुल्लियाते बशीर बद्र पाकिस्तान में प्रकाशित हुआ और पूरे दक्षिण एशिया में सराहा गया। उनका मशहूर शेर आज भी लोगों की जुबान पर है:

'शोहरत की बुलंदी भी एक पल का तमाशा है,
जिस शाख पे बैठे हो वो टूट भी सकती है।'

मीर तकी मीर की तरह उनकी शायरी में सादगी और भावनात्मक गहराई थी। मोहब्बत, तन्हाई, दर्द और ज़िंदगी के रहस्य उनके अशआर में गहराई से बहते थे। जीवन में उन्होंने व्यक्तिगत कठिनाइयों का सामना किया, एक आग ने उनकी सारी संपत्ति और साहित्यिक रचनाएँ नष्ट कर दीं। इसके बाद वे भोपाल आ गए और शून्य से अपना जीवन और साहित्यिक करियर पुनः स्थापित किया। इन अनुभवों ने उनकी शायरी को और भी गहरी भावनात्मक तीव्रता दी और उनकी विनम्रता को आकार दिया।

उन्होंने अमेरिका, दुबई, कतर और पाकिस्तान सहित कई देशों की यात्रा की और मुशायरों में भाग लिया। उनके निधन से उर्दू साहित्य ने अपनी सबसे उज्ज्वल और प्रिय आवाज खो दी है, लेकिन उनकी कालजयी गजलें और अविस्मरणीय शेर आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।

डॉ. बशीर बद्र के कुछ सबसे प्रसिद्ध और दिल को छू लेने वाले शेर आज भी लोगों की जुबान पर हैं और उनकी गजलों की पहचान बने हुए हैं। उनकी शायरी मोहब्बत, तन्हाई, दर्द और ज़िंदगी की सच्चाइयों को बेहद सरल और असरदार अंदाज में बयान करती है।

बशीर बद्र के मशहूर शेर

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो,
न जाने किस गली में ज़िंदगी की शाम हो जाए

दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे,
जब कभी हम दोस्त हो जाएँ तो शर्मिंदा न हों

कुछ तो मजबूरियाँ रही होंगी,
यूँ कोई बेवफा नहीं होता

हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है,
जिस तरफ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा

मुसाफि र हैं हम भी, मुसाफि र हो तुम भी,
किसी मोड़ पर फिर मुलाकात होगी

ज़िंदगी तू ने मुझे कब्र से कम दी है,
जमीं पाँव फैलाऊँ तो दीवार में सर लगता है

बड़े लोगों से मिलने में हमेशा फासला रखना,
जहाँ दरिया समुंदर से मिला दरिया नहीं रहता

कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक से,
ये नए मिजाज का शहर है जरा फासले से मिला करो

हर धड़कते पत्थर को लोग दिल समझते हैं,
उम्रें बीत जाती हैं दिल को दिल बनाने में

खुदा की इतनी बड़ी काएनात में मैंने बस एक शख़्स को माँगा,
मुझे वही न मिला

मोहब्बत, तन्हाई, दर्द और ज़िंदगी की सच्चाइयाँ उनके शेरों में गहराई से झलकती हैं।

'काम पूरा करो वरना बजट कटेगा', सीएम रेखा गुप्ता का अफसरों को अल्टीमेटम, स्कूल से लेकर नालों तक पर सख्त एक्शन

(जीएनएस)।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने को सभी विभागों के प्रमुख अधिकारियों के साथ बड़ी समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बजट में घोषित योजनाओं को तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए, वरना अगले बजट में फंड में कटौती का सामना करना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को यह संदेश भी दिया कि सरकार सिर्फ घोषणाएं करने में भरोसा नहीं रखती, बल्कि योजनाओं को जमीन तक पहुंचाना उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

बैठक में सीएम रेखा गुप्ता ने खास तौर पर मानसून तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजधानी में जलभराव रोकना सरकार की प्राथमिकता है और इस मामले में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रेखा गुप्ता ने नालों की सफाई का काम तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही धूल प्रदूषण वाले इलाकों में बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाने को कहा। उन्होंने

अलग-अलग एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने सरकारी स्कूलों की हालत सुधारने को लेकर भी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में समय पर सफेदी कराई जाए, शौचालयों की मरम्मत पूरी हो और बच्चों को साफ पीने का पानी उपलब्ध कराया जाए। रेखा गुप्ता ने कहा कि छात्रों को बेहतर और सम्मानजनक माहौल देना सरकार की जिम्मेदारी है।

बैठक में ऊर्जा संरक्षण और जल प्रबंधन से जुड़ी योजनाओं की भी समीक्षा हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सोलर पावर और वॉटर कंजर्वेशन से जुड़े प्रोजेक्ट्स की रफ्तार बढ़ाई जाए ताकि दिल्ली को ऊर्जा और जल संरक्षण के मामले में मॉडल सिटी बनाया जा सके।

रेखा गुप्ता ने विभागों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर भी नई रणनीति अपनाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया सिर्फ औपचारिक जानकारी देने का माध्यम नहीं होना चाहिए, बल्कि जनता तक सरकारी योजनाओं की सही और उपयोगी जानकारी पहुंचाने का असरदार प्लेटफॉर्म भी बनना चाहिए। मुख्यमंत्री का यह सख्त रुख साफ संकेत देता है कि दिल्ली सरकार अब योजनाओं के क्रियान्वयन और जवाबदेही पर ज्यादा जोर देने जा रही है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

कतर में ईरान की फ्रीज पड़ी संपत्ति

पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता में तेहरान का फ्रीज छह अरब डॉलर की संपत्ति को जारी करना एक अहम मुद्दा है। यह संपत्ति अभी कतर में जमा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक ईरानी सूत्र ने बताया कि कतर समेत विदेश में फ्रीज संपत्तियों को जारी करना, हार्मुज से सुरक्षित आवाजाही तय करने से सीधे तौर पर जुड़ा है। छह अरब डालर को सबसे पहले 2018 में रोकी गई थी। वाशिंगटन तथा तेहरान के बीच कैदियों की अदला-बदली के समझौते के तहत इसे 2023 में जारी किया जाना था, पर 7 अक्टूबर, 2023 को इजरायल पर हमास के हमले के बाद बिडेन प्रशासन ने संपत्तियों को फिर से फ्रीज कर दिया। उधर, अमेरिका ने ईरान की इस दावे को खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया था कि इस्लामाबाद वार्ता में जब्त संपत्तियों को छोड़ेगा। अमेरिका ने स्पष्ट कहा कि वह ईरानी संपत्तियों को वापस नहीं करेगा। इससे पहले ईरान ने दावा किया था कि अमेरिका इस बात पर सहमत हो गया है कि जब्त संपत्तियों को छोड़ेगा। पिछले कुछ दिनों में एक बार फिर युद्ध विराम और शांति वार्ता की बात हो रही है। देखें, अमेरिका और ईरान में किन-किन मुद्दों पर समझौता होता है, अगर होता भी है?

खतरे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, तीन बार गोली बारी हो चुकी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की सुरक्षा जांच चौकी के पास एक व्यक्ति ने गोली बारी कर दी। सुरक्षा कर्मियों ने जवाबी कार्रवाई में संदिग्ध हमलावर को ढेर कर दिया। पिछले एक महीने में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आसपास गोलीबारी की यह तीसरी घटना थी। इससे पहले अप्रैल में व्हाइट हाउस संवाददाता संघ रात्रि भोज और मई की शुरुआत में वाशिंगटन मॉन्यूमेंट के पास घटनाएं हुईं। कानून प्वर्तन एजेंसी ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में बताया कि 17वीं स्ट्रीट और पेंसिल्वेनिया एवेन्यू में मौजूद हमलावर ने शनिवार शाम छह बजे अपने बैग से हथियार निकाला और गोलीबारी शुरू कर दी। सीक्रेट सर्विस जवानों की जवाबी कार्रवाई में यह घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गईं। बताया जाता है कि हमलावर ने 30 राउंड गोलियां चलाईं। शनिवार को हुई घटना के दौरान एक राहगीर को भी गोली लगी है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वह संदिग्ध द्वारा शुरू में चलाई गोलियों से घायल हुआ या अधिकारियों द्वारा जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी? ट्रंप घटना के समय व्हाइट हाउस में मौजूद थे। एक कानून प्रवर्तन अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि संदिग्ध की पहचान 21 वर्षीय नासिरे बेस्ट के रूप में हुई है। बेस्ट को पहले भी गिरफ्तार किया गया था। वह जब उसने बिना अनुमति के व्हाइट हाउस की एक अन्य जांच चौकी में प्रवेश करने की कोशिश की थी। बेस्ट को जुलाई 2025 में इस सिलसिले में गिरफ्तार भी किया गया था। बेस्ट खुद को भगवान यीशु मसीह का मॉर्डन अवतार मानता था। डोनाल्ड ट्रंप पर तीन बार गोली बारी हो चुकी है। एक बार तो बाल-बाल बचे जब गोली उनके कान के पास से निकली। वुछ आलोचकों का मानना है कि इन हमलों के पीछे सहानुभूति लेने की और अमेरिकी जनता का ज्वलंत मुद्दों से ध्यान हटाने का नाटक शामिल है। खैर, जो भी हो एक बात तो साफ लगती है कि ट्रंप की जान को खतरा है और उन्हें अपनी सुरक्षा में किसी प्रकार की ढील नहीं देनी चाहिए।

मार्च 2031 तक 80 करोड़ लोगों को राशन व्यवस्था, मोदी सरकार के इस फैसले के पीछे कौन सा कानून

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः देश में सार्वजनिक खाद्यान्न वितरण प्रणाली के जरिए देश के गरीब लोगों के लिए जो व्यवस्था की गई है, वह कवरेज और सार्वजनिक व्यय में के मामले में दुनिया में सबसे अनूठी है। इसे दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण खाद्य सुरक्षा नेटवर्क माना जाता है। बुधवार को केंद्र सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली यानी PDS को और अधिक पारदर्शी, डिजिटल और पोर्टेबल बनाने के लिए सार्थक पीडीएस SARTHAK - PDS योजना को मंजूरी दी है।

लेकिन सवाल यह है कि इस योजना की सफल संचालन और इसके दिशानिर्देश भारत के किस कानून के तहत विनियमित होते है? जवाब है... सार्वजनिक वितरण प्रणाली यानी ढक्र, मुख्य रूप से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, NFSA 2013 के तहत संचालित होता है। इस कानून ने देश के पात्र नागरिकों को रियायती यानि कम और सस्ते रेट पर खाद्यान्न प्राप्त करने का कानूनी अधिकार प्रदान किया है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सार्थक-पीडीएस योजना को मार्च, 2031 तक की अवधि तक जारी रखने के लिए 25,530 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी दे दी है।

इस योजना का उद्देश्य देश के करीब 80 करोड़ लाभार्थियों तक खाद्यान्न वितरण प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना है।

चोरी और भ्रष्टाचार रोकने के लिए सरकार व्यवस्था को टेक्नोलॉजी बेस्ड बनाने जा रही है। इसमें ऑटोमेशन, डिजिटल ट्रैकिंग, ऑनलाइन मॉनिटरिंग, स्मार्ट डिवाइस और ट्रांसपैरेंसी टूल शामिल है।

सरकार का उद्देश्य वन नेशन-वन राशन कार्ड One Nation One Ration Card जैसी व्यवस्थाओं को भी ज्यादा प्रभावी बनाना है, ताकि देशभर में राशन वितरण अधिक सीमलेस और ट्रांसपैरेंसी हो सके और लाभार्थी भारत के किसी भी राज्य में रहें इसका लाभ उठा सकें।

SARTHAK-PDS योजना किस कानून के तहत लागू

योजना जिसे मोदी सरकार ने SARTHAK-PDS का नाम दिया है, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 यानी NFSA के तहत लागू है।

NFSA के तहत सरकार, गांवों में रहने वाली जनसंख्या का लगभग 75 प्रतिशत और शहरों में रहने वाली आबादी का लगभग 50 प्रतिशत हिस्से को सस्ती दरों पर राशन उपलब्ध कराती है। मोटे तौर पर लगाए गए एक अनुमान के तहत फिलहाल देश में लगभग 80 करोड़ लोग इस कानून के तहत योजना का लाभ उठाते हैं।

इस कानून के तहत प्राथमिकता परिवारों को प्रति व्यक्ति 5 किलो अनाज मिलता है। अंत्योदय परिवारों को 35 किलो अनाज प्रति परिवार दिया जाता है। गौरतलब करने वाली बात है कि यह वह केंद्रीय कानून है, जिसने पूरे देश में खाद्यान्न वितरण को कल्याणकारी योजना से आगे बढ़ाकर एक तरह से कानूनी अधिकार का स्वरूप दिया। और, इस कानून की महत्ता इस बात से साबित हो जाती है इसी कानून के तहत भारत में दुनिया का सबसे बड़ा फूड सिक्योरिटी प्रोग्राम सफलता पूर्वक चलाया जा रहा है।

संविधान की एक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा की सार्थकता

SARTHAK-PDS योजना का उद्देश्य यही सुनिश्चित करना है कि लाभार्थी कहीं भी रहे, उसका खाद्य सुरक्षा का अधिकार बना रहे।

यह योजना संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित जीवन के अधिकार से भी जुड़ती है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी गरिमामय जीवन और भोजन के अधिकार से जोड़कर देखा है।

दरअसल...भारतीय संविधान में राज्य की अवधारणा एक कल्याणकारी और लोकतांत्रिक गणराज्य की दी हुई है। और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम NFSA 2013 , इस पहलू से ... कसौटी पर पूरी तरह खरा उतरता है।

लोढ़ा फाउंडेशन द्वारा भारत के एक मात्र निजी वित्त पोषित सैद्धांतिक भौतिकी अनुसंधान संस्थान का शुभारम्भ

लोढ़ा डेवलपर्स के सीईओ एवं एमडी अभिषेक लोढ़ा की एक और अभिनव पहल

मुंबई, 28 मई। देश की प्रमुख सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्था "लोढ़ा फाउंडेशन" द्वारा भारत के एक मात्र निजी वित्त पोषित सैद्धांतिक भौतिकी अनुसंधान संस्थान का शुभारम्भ बुधवार, 27 मई, 2026 को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में किया गया।

यह जानकारी देते हुए लोढ़ा डेवलपर्स के उएड एवं प्रबंध निदेशक और लोढ़ा फाउंडेशन के ट्रस्टी अभिषेक लोढ़ा ने बताया कि भारत आने वाले वर्षों में एक वैश्विक लीडर बनने के लिए तैयार है। इसलिए लोढ़ा फाउंडेशन का मानना है कि एक विकासशील राष्ट्र से एक विकसित राष्ट्र बनने की इस यात्रा में हम सार्थक योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन में हम 'उत्कृष्टता के परोपकार' (Philanthropy of Excellence) का अभ्यास करते हैं और इस दिशा में कई कार्यक्रम शुरू किये गये हैं। इसी क्रम में अत्यंत विचार पूर्वक तैयार की गई और विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में अहम योगदान देने वाली सबसे नई पहल 'लोढ़ा थ्योरिटिकल फिजिक्स इंस्टीट्यूट' (LTPI – लोढ़ा सैद्धांतिक भौतिकी संस्थान) है, जिसे 27 मई, 2026 को मुंबई स्थित लोढ़ा वर्ल्ड टॉवर में लॉन्च किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा एवं श्रीमती मंजू लोढ़ा ने लोढ़ा फाउंडेशन की ओर से सभी विशिष्ट अतिथियों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और उपस्थित महानुभावों का हार्दिक स्वागत किया तथा अपने प्रेरणादायक विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार सबसे बड़ी शक्ति हैं और ऐसे संस्थान आने वाले समय में भारत को वैश्विक एवं वैज्ञानिक नेतृत्व प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। उन्होंने बताया कि वुल्फ प्राइज विजेता प्रोफेसर जैनेंद्र जैन के नेतृत्व में LTPI, मौलिक भौतिकी में साहसिक विचारों को प्रोत्साहित करेगा। लोढ़ा थ्योरिटिकल फिजिक्स इंस्टीट्यूट की परिकल्पना भारत में सैद्धांतिक भौतिकी में मौलिक अनुसंधान के लिए एक समर्पित केंद्र के रूप में की गई है। यह संस्थान भारत और दुनिया भर के अग्रणी वैज्ञानिकों के बीच केंद्रित अनुसंधान कार्यक्रमों, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और सार्थक सहयोग के लिए एक शैक्षणिक वातावरण तैयार करके निरंतर और दीर्घकालिक अनुसंधान की आवश्यकता को पूरा करने का प्रयास करेगा। श्री अभिषेक लोढ़ा ने कहा कि लोढ़ा फाउंडेशन में

लोढ़ा फाउंडेशन द्वारा स्थापित देश के एक मात्र निजी वित्त पोषित सैद्धांतिक भौतिकी अनुसंधान संस्थान के शुभारम्भ समारोह के विभिन्न दृश्य।

हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें उत्कृष्टता के प्रयास करना, सबसे बड़ा प्रभाव पैदा करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। चाहे देश भर से प्रतिभावान विद्यार्थियों की पहचान और उन्हें त्वरित कार्यक्रमों में शामिल करना हो, या शहरी स्थिरता के समाधानों में निवेश करना हो। या फिर 'लोढ़ा मैथमैटिकल साइंसेज इंस्टीट्यूट' और अब 'लोढ़ा थ्योरिटिकल फिजिक्स इंस्टीट्यूट' के माध्यम से नवाचार और अनुसंधान को सहायता व बढ़ावा देना हो, हम भारत के एक विकसित राष्ट्र बनने के इस महत्वपूर्ण सफर में सार्थक योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मूलभूत विज्ञान में क्रांति के बाद ही परिवर्तनकारी तकनीकी युगों की शुरूआत होती है। इसी विजन पर LTPI की स्थापना की गई है । यह भारत में मौलिक अनुसंधान के लिए एक समर्पित केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जो दुनिया भर से सर्वश्रेष्ठ दिमागों को आकर्षित करेगा और बौद्धिक जिज्ञासा की संस्कृति को बढ़ावा देगा । असाधारण फैकल्टी, पोस्ट डॉक्टरल फेलो और दीर्घकालिक आगंतुकों को एक साथ लाकर, यह संस्थान बौद्धिक स्वतंत्रता, स्थिरता, सहयोग की भावना और गहरे प्रश्नों व साहसिक विचारों को तलाशने का साहस प्रदान करेगा, जिससे ऐसी खोज संभव होंगी, जिनका गहरा प्रभाव आने वाले दशकों में दिखाई देगा। लोढ़ा फाउंडेशन के मुख्य मार्गदर्शक आशीष कुमार सिंह ने कहा कि LTPI का उद्देश्य दुनिया भर के सबसे असाधारण बुद्धिमानों को एक साथ लाना और बिना किसी बाधा के भौतिकी के बारे में खुलकर सोचने में समय बिताना है। उन्होंने कहा कि जब असाधारण दिमाग एक साथ आते हैं, तो वे असाधारण परिणाम देते हैं और यह एक ऐसा दॉव है, जो हम भारत के लिए लगा रहे हैं। उन्होंने बताया कि LTPI (Lodha Theoretical Physics Insititute) का नेतृत्व संस्थापक निदेशक प्रो. जैनेंद्र के. जैन करेंगे, जो एक प्रसिद्ध सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी हैं और उन्हें 'ऑलिवर ई. बकली प्राइज' एवं भौतिकी में 'वुल्फ प्राइज' मिल चुका है । उन्होंने 'कंपोजिट फर्मिओन्स' नामक उभरते कणों की खोज की। इसका वर्णन करने वाले उनके सिद्धांत ने correlated quantum matter की समझ को बेहद समृद्ध किया है और आधुनिक सैद्धांतिक भौतिकी को आकार देना जारी रखा है। प्रो. जैन ने कहा कि सैद्धांतिक भौतिकी प्रकृति के प्रति हमारी समझ के केंद्र में है। सैद्धांतिक भौतिकी में प्रगति ने ऐतिहासिक रूप से वैज्ञानिक सोच को आकार दिया है और विभिन्न क्षेत्रों में परिवर्तनकारी विकास की नींव रखी है। 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए, भारत को विश्व स्तरीय वैज्ञानिक अनुसंधान बुनियादी ढांचे के साथ मजबूत संस्थानों का निर्माण करना अनिवार्य होगा। LTPI इसी दिशा में एक विशेष रूप से महत्वपूर्ण प्रयास होगा, क्योंकि यह भारत में पूरी तरह से निजी तौर पर वित्त पोषित पहला भौतिकी संस्थान होगा। उन्होंने बताया कि एक बड़ी शुरूआत के साथ, LTPI 'इमर्जेंट फेनोमेना इन क्वांटम हॉल सिस्टम्स' (EPQHS-10) पर 10वीं अंतर्राष्ट्रीय बैठक की मेजबानी कर रहा है । यह तीन दिवसीय कार्यशाला श्रृंखला दुनिया भर के कई प्रसिद्ध वैज्ञानिकों की मेजबानी करेगी, जो रोमांचक हालिया खोजों की घोषणा करेंगे और भौतिकी के क्षेत्र में भविष्य की आशाजनक दिशाओं पर चर्चा करेंगे । संस्थान की प्रतिष्ठा स्थापित करने वाले एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर के रूप में कार्य करते हुए, EPQHS-10 की मेजबानी करना यह दशार्ता है कि छळढक में पहले दिन से ही तैयार किया जा रहा शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र कितना गम्भीर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक और विश्व स्तरीय गुणवत्ता का है। समारोह के दौरान, नोबेल पुरस्कार विजेता और मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर सॉलिड स्टेट रिसर्च के डायरेक्टर एमेरिटस क्लाउस वॉन क्लिट्जिंग ने 'टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च' (TIFR) के सहयोग से आयोजित एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान में बताया गया कि कैसे "क्वांटम हॉल इफेक्ट" की खोज अत्यधिक परिस्थितियों में इलेक्ट्रॉनों के व्यवहार पर बुनियादी, जिज्ञासा-संचालित अनुसंधान से उभरी। और कैसे इस अप्रत्याशित खोज ने अंततः माप मानकों की अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली (international system of measurement standards) में क्रांति ला दी इस अवसर पर श्रीमती मंजू लोढ़ा द्वारा एक विशेष काव्यात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत की गई, जो इस प्रकार हैः-

'LTPI Launch — विज्ञान का नवदीप'

आज सजा है ज्ञान का मंदिर, आज जली है नई मशाल, जहाँ विज्ञान के पंख लगाकर, सपने छू लेंगे हर आकाश। यह केवल एक मंच नहीं है, यह भविष्य की पहचान है, जहाँ जिज्ञासा बनती शक्ति, और शोधों से बढ़ता मान है। गिरते सेब से प्रेरित होकर, न्यूटन ने ज्ञान जगाया, गति और गुरुत्वाकर्षण का सुंदर नियम समझाया। समय, प्रकाश और ब्रह्मांड का

जिसने नया विज्ञान दिया, अल्बर्ट आइंस्टीन ने सोच को नया आसमान दिया। दूरबीन से नभ को देखा, सत्य की राह अपनाई, गैलीलियो ने नई चेतना जग में लाई। विद्युत की अद्भुत धारा से दुनिया को जिसने सजाया, निकोला टेस्ला ने नवयुग का दीप जलाया। असंख्य प्रयोगों की तपस्या से अंधियारा दूर भगाया, थॉमस एडीसन ने बल्ब का उजियारा लाया। रेडियम की खोज में जिसने जीवन अपना खपा दिया, मैरी क्यूरी ने नारी शक्ति का मान बढ़ा दिया। ब्लैक होल के गहरे रहस्य दुनिया को समझाने वाले, स्टीफेन हॉकिंग थे, जिन्होंने हौसलों से जग जीता। भारत माँ भी गर्वित हुई, जब सी वी रमन ने कमाल दिखाया, प्रकाश की किरणों के बदलते रंगों का अद्भुत रहस्य समझाया। ज्ञान और गणित की शक्ति से नया सिद्धांत बनाया,

सत्येन्द्र नाथ बोस ने आइंस्टीन संग इतिहास रचाया। परमाणु शक्ति के क्षेत्र में भारत को जिसने बढ़ाया, होमी जहांगीर भाभा ने विज्ञान का मान बढ़ाया। अंतरिक्ष के सपनों को भी जिसने साकार बनाया, विक्रम साराभाई ने भारत का गौरव बढ़ाया। मिसाइल मैन कहलाकर भी मन से रहे महान, एपीजे अब्दुल कलाम ने युवाओं को दिए ऊँचे अरमान। ये वैज्ञानिक दीप समान हैं, ज्ञान जिनसे जगमगाता है, इनकी मेहनत और खोजों से मानव आगे बढ़ पाता है। विज्ञान हमें यह सिखलाता, हर मुश्किल आसान बने, जिज्ञासा और कर्म के बल पर मानव चाँद समान बने। कभी रसायन की प्रयोगशाला में, तत्वों ने मिलकर रंग भरे, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन ने, जीवन के जल के दीप धरे। कार्बन की छोटी सी रचना ने, हीरे जैसा रूप लिया, विज्ञान ने मिट्टी के कण को, सोने से बढ़कर मूल्य दिया।कभी अम्ल और क्षार मिले तो, संतुलन का संदेश मिला, हर क्रिया ने यह सिखलाया संघर्षों से नव जीवन खिला। आज इसी प्रेरणा की धरती पर, ज्ञान के दीप प्रज्वलित होंगे, प्रो. जैनेंद्र जैन की शोधों से, विज्ञान के नये पथ निर्मित होंगे। 'कॉम्पोज़िट फर्मियॉन' की खोज ने, दुनिया को नई दिशा दिखाई, वुल्फ प्राइज जैसे महान सम्मान ने, भारत की प्रतिभा चमकाई। दूर विदेशी धरती से आए, नोबेल विजेता वैज्ञानिक महान,

प्रो. क्लॉस वॉन क्लिट्जिंग ने, बढ़ाया विज्ञान का गौरवमान। 'क्वांटम हॉल इफेक्ट' की खोज ने, भौतिकी को नया विस्तार दिया, सूक्ष्म कणों की अद्भुत दुनिया का, मानव को नया आधार दिया। यहाँ सूत्र केवल अक्षर नहीं, हर सूत्र जीवन गाता है, विज्ञान वही है जो मानव को, अज्ञान से ऊपर उठाता है। लोढ़ा फाउंडेशन की प्रेरणा ने, शिक्षा का नव दीप जलाया है, अभिषेक लोढ़ा के संकल्पों ने, हर युवा को आगे बढ़ाया है। मंगल प्रभात लोढ़ा जैसे, सेवा जिनकी पहचान बनी, समाज और संस्कृति के संग, जनहित की सुंदर शान बनी। आईएएस ऑफिसर आशीष सिंह के प्रयासों ने, कर्तव्य का मान बढ़ाया है, ईमानदारी और सेवा से, प्रशासन को गौरव दिलाया है। जब प्रयोगों में सपने जलते,

तब इतिहास नया बनता है, छोटी-सी जिज्ञासा का दीपक, एक दिन सूरज बनता है। आओ, मिलकर प्रण यह लें, ज्ञान का दीप जलायेंगे, भारत को विज्ञान की शक्ति से, विश्व शिखर तक ले जायेंगे। 'छळढक' केवल लॉन्च नहीं, एक नवयुग का उद्घोष है, जहाँ विज्ञान, संस्कार और शिक्षा का, संगम सबसे विशेष है। इस मंच से न जाने कितने नये वैज्ञानिक जन्म लेंगे..!

वैभव सूर्यवंशी के रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन पर क्रिस गेल ने दिया निकनेम, सोशल मीडिया पर मचा दिया बवाल

IPL 2026 अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले गए एलिमिनेटर मुकाबले में फ्फ़ने शानदार

जीत दर्ज करते हुए क्वालिफायर 2 में अपनी जगह पक्की कर ली और रफ्ल़ को टूनार्मेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

इस मैच में सबसे ज्यादा सुर्खियां 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बटोरीं, जिन्होंने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 29 गेंदों में 97 रन बना दिए। उनकी इस विस्फोटक पारी में बड़े-बड़े छक्के और चौके शामिल थे,इस शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव सूर्यवंशी के निकनेम की काफी प्रशंसा हो रही है। आइए जानते हैं कि उन्हें यह निकनेम किसने दिया।

गेल ने की तारीफ, दिया खास टाइटल

एलिमिनेटर मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव सूर्यवंशी ने 14 साल पुराना क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने का नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इसके बाद पूरे क्रिकेट जगत में उनकी जमकर तारीफ होने लगी। इसी बीच सबकी नजर क्रिस गेल पर भी थी। उन्होंने (Twitter) पर पोस्ट करते हुए वैभव को एक प्यारा सा निकनेम दिया "New Six Machine" और साथ ही एक स्टोरी भी शेयर की, जिसमें लिखा था "Universal Baby Boss" और खास बात यह है कि गेल को खुद को यूनिवर्स बॉस कहा जाता है और अब उन्होंने सूर्यवंशी को छोटा बॉस नाम दिया है।

शतक से बस एक कदम दूर रह गए वैभव सूर्यवंशी

वैभव सूर्यवंशी 97 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे और अपने शतक के बेहद करीब पहुंच चुके थे। तभी उन्होंने प्रफुल हिंगे की गेंद पर अपर कट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सही तरह से टाइम नहीं हो पाई और थर्ड मैन पर स्मरण रविचंद्रन ने शानदार कैच पकड़ लिया इस तरह वैभव की पारी 97 रन पर ही समाप्त हो गई और वह अपने शतक से चूक गए। अगर यह शॉट छक्के के लिए निकल जाता, तो वैभव सिर्फ 29 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लेते और क्ढछ इतिहास का सबसे तेज शतक उनके नाम हो जाता।

सूर्यवंशी के लिए रिकॉर्ड नहीं रखता मायने

क्रिस गेल ने 30 गेंदों ऐतिहासिक शतक IPL 2013 में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ बनाया था, जो आज भी क्ढछ इतिहास के सबसे तेज शतकों में से एक माना जाता है। हालांकि गेल के रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाने का मलाल सूर्यवंशी को नहीं है। उन्होंने कहा कि टीम की सफलता अहम है, शतक बाद में बनते रहेंगे।

सऊदी की जेल से 20 साल बाद लौटे केरल के अब्दुल रहीम तो रो पड़ी मां, 34 करोड़ में माफ हुई मौत की सजा

(जीएनएस)।

केरल के अब्दुल रहीम की कहानी इंसानियत और कभी न टूटने वाली उम्मीद का उदाहरण है. अब्दुल एक दिव्यांग किशोर की मौत के आरोप में 20 साल तक सऊदी अरब की जेल में रहने के बाद वतन लौट आए हैं. उन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी जिससे बाहर निकालने के लिए ब्लड मनी के तौर पर 34 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि जुटाई गई थी. आइए जानते हैं सब्र, उम्मीद और उनकी रिहाई के पीछे की पूरी कहानी.

दिसंबर 2006 केरल के अब्दुल रहीम के लिए वो काला दौर था जब उन्हें सऊदी अरब ने जेल की सलाखों

के पीछे भेज दिया था. उन पर अपनी देखरेख में एक किशोर की मौत का संगीन आरोप था जिसके चलते वो 20 सालों तक वहां कैद रहे. अब सालों बाद उनकी वतन वापसी और रिहाई ने पूरी दुनिया में इंसानियत की मिसाल कायम की है. अब्दुल के लिए एक बड़ा क्राउडफंडिंग अभियान चलाया गया था जिसमें दुनिया भर के बड़े दिल वाले लोगों ने रिकॉर्ड 34 करोड़ रुपये की भारी-भरकम ब्लड मनी जुटाई जिसने उनकी रिहाई का रास्ता साफ किया.

केरल के कोझिकोड के पास फेरोक में रहने वाले माचिलाकाथु परिवार के लिए साल 2026 की ईद महज एक त्योहार नहीं, बल्कि राहत और अपनों से दोबारा मिलने का एक ऐतिहासिक दिन बन गई.

'बच्चा पैदा करने की मशीन', ट्विशा केस पर फूटा ममता कुलकर्णी का गुस्सा लेकिन भड़क गए लोग

(जीएनएस)।

भोपाल के चर्चित ट्विशा शर्मा मौत मामले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। इस संवेदनशील केस में अब 90 के दशक की चर्चित अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने भी खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने समाज और माता-पिता दोनों से कई तीखे सवाल पूछे हैं। ममता का कहना है कि बेटियों की शादी केवल दिखावे या जल्दबाजी में नहीं करनी चाहिए, बल्कि उस परिवार की मानसिकता और क्षमता को भी समझना बेहद जरूरी है।

एनडीटीवी से बात करते हुए कहा कि 'माता-पिता को अपनी बेटियों की शादी असक्षम घरों में नहीं करनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर क्यों लोग अपनी बेटियों को ऐसे परिवारों में भेज देते हैं, जहां उन्हें सम्मान और बराबरी नहीं मिलती। क्या आपने कभी किसी बड़े घर के लोगों को अपनी बेटी की शादी भिखारी के घर में करते देखा है?' उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है।

ममता कुलकर्णी ने ट्विशा की सास के उस बयान पर भी आपत्ति जताई, जिसमें कहा गया था कि ट्विशा को खाना बनाना नहीं आता था। अभिनेत्री ने इस सोच को पुरानी मानसिकता बताते हुए कहा कि शादी का मतलब सिर्फ घर के काम करना नहीं होता। उन्होंने कहा, 'दादी-नानी के समय में भी क्या हर लड़की को शादी से पहले खाना बनाना आता था? अगर नहीं आता था, तो सिखाया जा सकता था। पांच महीने के अंदर उसे प्रेग्नेंट किया फिर गर्भपात करा दिया, बच्चे पैदा करने की मशीन बना दिया।'

'शादी में दोनों को बराबर चलना चाहिए'

ममता कुलकर्णी ने आगे कहा कि यदि खाना बनाना नहीं आता था, तो उसे सिखाया जा सकता था। उन्होंने जोर देकर कहा, 'शादी में दोनों को बराबर चलना चाहिए। कभी-कभी प्यार में सबकुछ सीख जाती है। किसी भी लड़की पर जुल्म करना व्यापार है।'

'गरीबी कोई अपराध नहीं है',

ममता पर फूटा लोगों का गुस्सा

ममता कुलकर्णी के बयान पर इंटरनेट पर तीखी बहस छिड़ गई है। कुछ लोग उनके बयान का समर्थन कर रहे हैं, तो कई यूजर्स इसे गरीब परिवारों का अपमान बता रहे हैं। (पूर्व ट्विटर), इंस्टाग्राम और फेसबुक पर यूजर्स ने अभिनेत्री को जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया। कई लोगों का कहना है कि किसी परिवार की आर्थिक स्थिति के आधार पर उसका अपमान करना गलत है। एक यूजर ने लिखा, 'गरीबी कोई अपराध नहीं है, इंसानियत और संस्कार मायने रखते हैं।' वहीं दूसरे यूजर ने कमेंट किया, 'ममता कुलकर्णी को शब्दों का चयन सोच-समझकर करना चाहिए था।'

'बेटी की शादी ऐसे परिवार में होनी चाहिए जहां सम्मान'

हालांकि, सोशल मीडिया पर एक वर्ग ऐसा भी है जो अभिनेत्री की बात को सही ठहरा रहा है। समर्थकों का कहना है कि ममता का इशारा आर्थिक स्थिति से ज्यादा मानसिकता और जिम्मेदारी की ओर था। कुछ लोगों ने लिखा कि उन्होंने केवल यह समझाने की कोशिश की कि बेटी की शादी ऐसे परिवार में होनी चाहिए, जहां उसे सम्मान और बराबरी मिले।

ममता कुलकर्णी ने फिल्म 'तिरंगा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया

आपको बता दें कि 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने 1992 में फिल्म 'तिरंगा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। प्रशंसकों ने उनकी फिल्मों को काफी सराहा लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने ग्लैमर की दुनिया से दूरी बना ली। ममता कुलकर्णी ने संन्यास अपना लिया और प्रयागराज महाकुंभ में किन्नर अखाड़े से जुड़ीं। उन्हें 'महामंडलेश्वर' का पद भी दिया गया था, पर कुछ समय बाद उन्हें इस पद से हटा दिया गया।

30 मई को होगा नौसेना शौर्य वाटिका का लोकार्पण, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी करेंगे उद्घाटन

(जीएनएस)।

लखनऊः राजधानी लखनऊ में भारतीय नौसेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित ' नौसेना शौर्य वाटिका ' का लोकार्पण 30 मई को किया जाएगा। सीजी सिटी में तैयार की गई इस विशेष वाटिका को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनता को समर्पित करेंगे। यह परियोजना केवल एक पार्क या पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि भारतीय नौसेना के वीर जवानों और उनके साहस को श्रद्धांजलि देने का प्रयास मानी जा रही है। उद्घाटन से पहले पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को आयोजन स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

सेना के शौर्य को समर्पित होगी वाटिका

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि नौसेना शौर्य वाटिका भारतीय नौसेना के पराक्रम, कर्तव्य और राष्ट्र सेवा की भावना को प्रदर्शित करेगी। यहां आने वाले लोग नौसेना के इतिहास, तकनीक और सैन्य शक्ति को करीब से देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह केवल मनोरंजन का स्थल नहीं होगा, बल्कि युवाओं और आने वाली पीढ़ियों को भारतीय सेना के साहस और बलिदान से प्रेरित करने का माध्यम भी बनेगा।

INS गोमती बनेगा मुख्य आकर्षण

नौसेना शौर्य वाटिका में भारतीय नौसेना का रिटायर्ड युद्धपोत आईएनएस गोमती स्थापित किया गया है। यह युद्धपोत 28 मई 2022 को सेवा से रिटायर हुआ था।

इसके अलावा वाटिका में नौसेना से जुड़े कई महत्वपूर्ण सैन्य उपकरण और संरचनाएं भी प्रदर्शित की जाएंगी। इनमें एंकर, एके-726 मीडियम रेंज तोप, सीईटी-53एम पनडुब्बी अवरोध, जिफ-101 लॉन्चर विद आरजे, कैपस्टन ड्रम, मुख्य मस्तूल और जहाज का प्रोपेलर शामिल हैं।

ओपन एयर म्यूजियम बनेगा आकर्षण का केंद्र

नौसेना शौर्य वाटिका में बनाए गए ओपन एयर म्यूजियम को विशेष रूप से आकर्षक बनाया गया है। यहां टीयू-142 विमान और एसके-42बी हेलीकॉप्टर भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

इन सैन्य उपकरणों और विमानों के जरिए लोग भारतीय नौसेना की तकनीकी क्षमता और युद्ध कौशल को करीब से समझ सकेंगे। प्रशासन का मानना है कि यह स्थल भविष्य में लखनऊ का प्रमुख पर्यटन और प्रेरणादायक केंद्र बन सकता है।

तैयारियों का लिया गया जायजा

उद्घाटन समारोह को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। बुधवार शाम पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि उद्घाटन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है, जिसे देखते हुए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

पर्यटन और देशभक्ति का नया केंद्र बनेगी वाटिका

नौसेना शौर्य वाटिका के जरिए प्रदेश सरकार लखनऊ में सैन्य पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में भी काम कर रही है। माना जा रहा है कि यह स्थल युवाओं में देशभक्ति की भावना मजबूत करेगा और उन्हें सेना के योगदान से परिचित कराएगा।

लखनऊ में मिलने के बहाने मायके से बुलाकार पति ने की पत्नी की हत्या, चेहरे पर किया कई वार

(जीएनएस)।

लखनऊ। ऐशबाग में ईदगाह के पीछे सुनसान गली में बुधवार की दोपहर पति ने मायके से मिलने के बहाने बुलाकर 26 वर्षीय पत्नी चांदनी की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। आरोपित ने सिर और चेहरे पर कई वार किए और मौके से फरार हो गया।

आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना देकर महिला को किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रामा सेंटर पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने मौत की पुष्टि कर दी। चांदनी के पिता शफीक ने बाजारखाला थाने में आरोपित के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

ऐशबाग के तकिया चांद अली शाह निवासी मो. शफीक ने बाजारखाला थाने में तहरीर देकर बताया कि बेटी चांदनी की शादी सात वर्ष पहले बाजार खाला के धोबी घाट निवासी मो. शाहिद से की थी।

शादी के बाद कुछ दिन सब ठीक चला लेकिन दो वर्षों से घरेलू बातों को लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा था। आरोप है कि शाहिद बेटी को परेशान कर रहा था इसकी वजह से वह तीन महीने से अपने मायके में रहने चली आई थी।

बुधवार को चांदनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती पड़ोस की भाभी को देखने के लिए जा रही थी। शहीद ने फोन कर उसे मिलने बुलाया। ईदगाह के पीछे पीली कालोनी की एक गली में वह चांदनी को लेकर गया और पुरानी बातों को लेकर झगड़ने लगा।

चांदनी वापस आने लगी तो उसने धारदार हथियार से चांदनी पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। हमले में उसके सिर और चेहरे पर गहरी चोटें आई और शोर मचाते हुए लहूलुहान होकर चांदनी वहीं गिर गई। शोरगुल सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बाजारखाला पुलिस को सूचना दी गई।

चांदनी को ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पिता की तहरीर पर आरोपित के खिलाफ बाजारखाला थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम कमलेश दीक्षित ने बताया कि आरोपित को पुलिस टीम ने पकड़ लिया है। हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है।

नौ जून को होनी थी काउंसिलिंग

परिवार के लोगों ने बताया कि चांदनी और शाहिद के बीच तलाक की बात चल रही थी। आगामी नौ जून को इनकी काउंसिलिंग होनी थी। कुछ दिनों पहले दोनों में विवाद हुआ और मामला थाने तक पहुंचा लेकिन दोनों पक्षों में समझौता हो गया। शाहिद ने भविष्य में विवाद न करने की बात भी कही थी। इस पर दोनों पक्ष वापस आ गए थे। हालांकि, चांदनी तब से मायके में ही थी। परिवार का कहना है कि शाहिद चांदनी पर शक करता था इस वजह से ही उसने हत्या कर दी। फिलहाल, पुलिस उससे पूछताछ कर हत्या के कारण पता लगा रही है।

लखनऊ में बीजेपी नेता शिवम सिंह की हत्या, सिगरेट विवाद में पीट-पीट कर मार डाला

अयोध्या से दोस्तों संग लखनऊ घूमने आए बीजेपी युवा मोर्चा के नेता शिवम सिंह की बेरहमी से पीट-पीट कर हत्या कर दी गई. विभूति खंड के जलवा क्लब के सामने सिगरेट विवाद में शिवम सिंह के साथ बेरहमी से मारपीट की गई थी. इलाज के दौरान शिवम सिंह की मौत हो गई. भाई की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है.

(जीएनएस)।

लखनऊ. राजधानी लखनऊ के विभूति खंड इलाके में बीजेपी नेता शिवम सिंह की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई. मृतक शिवम सिंह अयोध्या में भाजपा युवा मोर्चा के नेता थे. शिवम सिंह 25 मई की शाम दोस्तों के साथ अयोध्या से लखनऊ आए थे. जानकारी के मुताबिक जलवा क्लब के सामने कुछ लोगों से सिगरेट को लेकर विवाद हुआ था. विवाद के बाद कुछ लोगों ने शिवम और उसके दोस्तों का पीछा कर मारपीट की. मारपीट होने पर शिवम के दोस्त उसे छोड़ कर भाग गए.

विभूति खंड इलाके में जलवा क्लब के पास हुई इस मारपीट में बुरी तरह से जख्मी शिवम को आरोपी सड़क पर छोड़कर भाग गए. राहगीरों ने सड़क पर घायल पड़े शिवम सिंह को ड्ठर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. बताया जा रहा है कि सिर पर भारी वस्तु से वार हत्या की गई. इसके अलावा शरीर के अलग-अलग हिस्सों में गंभीर चोट के निशान मिले हैं. परिजनों का आरोप है कि शिवम को बुरी तरह पीटकर मौत के घाट उतारा गया. शिवम के भाई सौरभ सिंह की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है.

'यहां से F*&%$ दफा हो जाओ', भारतीय कपल से यूएस में बदतसलूकी, रुबियो से मांगा जवाब

(जीएनएस)।

हाल ही में भारत आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा था कि हर देश में कुछ मूर्ख लोग होत हैं। उन्होंने इस दौरान अमेरिका में रहने वाले भारतीय लोगों के लिए भी काफी अच्छी-अच्छी बातें कही थीं। लेकिन कुछ अमेरिकी लोग रुबियो की बात को ठेंगा दिखाने से नहीं चूक रहे।

दरअसल अमेरिका में एक भारतीय कपल के साथ हुई नस्लवादी बदसलूकी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक अमेरिकी व्यक्ति भारतीय कपल से "भारत वापस जाओ" कहते हुए दिखाई दे रहा है। इस घटना के सामने आने के बाद इंटरनेट पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। कई यूजर्स ने इस व्यवहार को नस्लवादी, भेदभावपूर्ण और पूरी तरह गैरजरूरी बताया है। यह घटना सड़क किनारे हुई एक बातचीत के दौरान हुई, जिसे खुद उसी अमेरिकी व्यक्ति ने रिकॉर्ड करके सोशल मीडिया पर शेयर किया था।

किसने शेयर किया वीडियो?

यह वीडियो एक्स पर 'ळङ्गल्ली' नाम के यूजर द्वारा पोस्ट किया गया था। वीडियो में वह व्यक्ति अपनी कार के अंदर बैठकर रिकॉर्डिंग करता दिखाई देता है। इसी दौरान वह एक भारतीय कपल के पास पहुंचता है और उनसे बातचीत शुरू कर देता है। रिपोर्ट के मुताबिक यह वीडियो 28 मई 2026 को सुबह 00:28 क्ख्ळ पर अपडेट किया गया था।

बातचीत की शुरूआत कैसे हुई?

वीडियो की शुरूआत में वह

व्यक्ति भारतीय कपल से पूछता है, "क्या आप भारत से हैं?" जब कपल ने हां में जवाब दिया, तो उसने आगे पूछना शुरू किया कि क्या उन्हें अमेरिका पसंद है और उनके हिसाब से कौन सा देश बेहतर है- अमेरिका या भारत। भारतीय कपल ने इस सवाल का काफी शांति और समझदारी से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की अपनी-अपनी खासियतें हैं। कपल ने बताया कि भारत परिवार और रिश्तों को ज्यादा महत्व देता है और हर देश की अपनी अहमियत होती है।

अचानक भड़क उठा अमेरिकी शख्स, देने लगा गालियां

शुरूआत में सामान्य लग रही बातचीत कुछ ही देर में काफी शत्रुतापूर्ण हो गई। अमेरिकी व्यक्ति ने कपल से कहा, "अगर भारत इतना शानदार है, तो आप भारत में ही क्यों नहीं रहते? आपको अमेरिका क्यों आना पड़ता है?" जब कपल ने जवाब दिया कि वे "दुनिया को एक्सप्लोर करना चाहते हैं," तो वह व्यक्ति और ज्यादा आक्रामक हो गया। उसने कहा- "नहीं, हम तुम्हें यहां नहीं चाहते। तुम्हें घर जाना होगा। ठीक है? मेरे देश से बाहर निकलो।" इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने उस व्यक्ति की जमकर आलोचना शुरू कर दी।

वीडियो के कैप्शन ने भी बढ़ाया विवाद

इस वीडियो को पोस्ट करते समय अमेरिकी व्यक्ति ने कैप्शन लिखा- "मुझे कुछ अद्भुत ल्-1इ भारतीय मिले, और मुझे उन्हें कुछ बताना पड़ा!" वीडियो के इस कैप्शन ने भी लोगों का गुस्सा बढ़ा दिया। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कहा कि यह केवल एक बातचीत नहीं थी, बल्कि खुला नस्लवाद था।

सोशल मीडिया पर लोगों ने जताया गुस्सा

वीडियो वायरल होने के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने इस घटना की आलोचना की। कई यूजर्स ने कहा कि अमेरिका में कानूनी तरीके से आने वाले अप्रवासी और टूरिस्ट समाज में योगदान देते हैं, टैक्स भरते हैं और देश की इकोनॉमी का हिस्सा बनते हैं। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस घटना को देशभक्ति के नाम पर नस्लवाद फैलाने का उदाहरण बताया।

लोगों का कहना था कि किसी अजनबी को उसकी राष्ट्रीयता या जातीय पहचान के आधार पर अपमानित करना किसी भी तरह से देशभक्ति नहीं कहलाता। वहीं कई लोगों ने इस पूरे मामले में भारतीय कपल के शांत और संयमित व्यवहार की भी तारीफ की।

मार्को रुबियो से लोगों ने मांगा जवाब

इस घटना के सामने आते ही लोगों ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबयो को टैग कर जवाब मांगना शुरू कर दिया है। जैसा कि बताया, रुबियो हाल में भारत यात्रा पर थे और उसके ठीक बाद ऐसी घटना हुई है।

लखनऊः जिमखाना क्लब में भी लीज का विवाद, बेदखली का जारी हो चुका है नोटिस

(जीएनएस)।

लखनऊ। केंद्र सरकार ने दिल्ली में जिमखाना क्लब को जब से खाली करने का नोटिस जारी किया है तब से देश के दूसरे शहरों में पाश इलाकों में मौजूद इस तरह के दूसरे क्लबों को लेकर भी चर्चा हो रही है।

दिल्ली के बाद अब लखनऊ जिमखाना क्लब को लेकर भी बात उठी है जिसका लीज अनुबंध का मामला भी कोर्ट में विचाराधीन है।

सात हजार से अधिक सदस्यों वाला जिमखाना क्लब सामाजिक गतिविधियों के साथ ही खेलों खासकर

टेनिस के लिए अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। क्लब के ग्रास कोर्ट में भारत और लेबनान के बीच डेविस कप मुकाबला भी खेला जा चुका है, इसके अलावा सर्किट के कई इंटरनेशनल टूनामेंट हो चुके हैं।

लखनऊ जिमखाना क्लब शहर की बेहद प्राइम लोकेशन पर है। कैसरबाग इलाके में हेरिटेज सर्किट के पास तीन बीघे से अधिक में जिमखाना क्लब का संचालन किया जा रहा है। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने 1953 में सामाजिक, सांस्कृतिक और खेल क्लब के संचालन के लिए तीन बीघे छह बिस्वा जमीन दस वर्षों की लीज पर जिमखाना क्लब को दी थी।

बंध पूरा होने के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण ने लीज को दस वर्षों के लिए फिर बढ़ा दिया। इसके बाद फिर से जिमखाना क्लब की तरफ लखनऊ विकास प्राधिकरण को लीज अनुबंध बढ़ाने के लिए पत्राचार किया गया लेकिन बात नहीं बनी।

एलडीए ने जिमखाना का प्रस्ताव खारिज करते हुए खाली करने को कहा। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच पत्राचार होता रहा लेकिन लीज पर बात नहीं बनी। लीज खत्म होने के बाद भी क्लब द्वारा 1984 तक लीज रेंट प्राधिकरण के खाते में जमा किया जाता रहा।

क्लब के एक पदाधिकारी का दावा है कि एलडीए ने जुलाई 1988 को 90 वर्षों तक लीज अनुबंध की सैद्धांतिक सहमति प्रदान कर दी थी। हालांकि एलडीए का कहना है कि लीज अनुबंध बढ़ाने का कोई आदेश जारी नहीं किया था।

क्लब के दावों के बावजूद 1989 में लखनऊ विकास प्राधिकरण ने बेदखली का आदेश जारी किया जिसके खिलाफ जिमखाना क्लब ने अदालत में अपील की। अदालत ने दोनों पक्षों से यथास्थिति बरकरार रखने को कहा जो अब तक कायम है। इस दौरान कई बार क्लब द्वारा निर्माण कराने पर एलडीए द्वारा आपत्ति जाती रही है।

आतंकियों के आगे शहबाज-मुनीर का सरेंडर! टेररिस्ट सैफुल्लाह कसूरी ने दी सीधी धमकी, क्या है वजह?

(जीएनएस)।

आतंकवादियों के इशारे पर चलने वाला देश पाकिस्तान एक बार फिर उनके अंगूठे तले दबकर फैसला लेता दिख रहा है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान से इजरायल को मान्यता देने वाले अब्राहम एकॉर्ड्स में शामिल होने के लिए कहा था। लेकिन अब इसे लेकर पाक के आतंकी संगठन आर्मी चीफ और शहबाज शरीफ की सरकार पर दबाव बना रहे हैं।

आतंकियों ने दी शहबाज-मुनीर को दी धमकी

इसी कड़ी में लश्कर-ए-तैयबा के उप प्रमुख सैफुल्लाह कसूरी ने पाकिस्तान के राजनीतिक लीडरशिप और सैन्य अधिकारियों को खुली धमकी दी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान ने कभी भी इजराइल को मान्यता देने' पर विचार किया, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। एक रैली के दौरान कसूरी ने कहा कि ऐसे किसी भी कदम का विरोध करते हुए उसे खत्म कर दिया जाएगा, बर्बाद और तबाह कर दिया जाएगा।

यह बयान उस वक्त आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब्राहम एकॉर्ड्स के तहत कई मुस्लिम-बहुल देशों, जिनमें

पाकिस्तान भी शामिल है, से इजराइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने की अपील की थी। इसी अंतरराष्ट्रीय दबाव और राजनीतिक चर्चा के बीच कसूरी का यह बयान सामने आया, जिसने पूरे मामले को और सेंसटिव बना दिया।

ईद-उल-अजहा के बाद आयोजित एक जनसभा में कसूरी ने पाकिस्तान के टॉप कमांडर्स को सीधे निशाने पर लिया। सैफुल्लाह ने साफ कहा कि इजराइल के प्रति पाकिस्तान की दशकों पुरानी विदेश नीति को बदलने की किसी भी गुप्त कोशिश का कड़ा जवाब दिया जाएगा। उसके बयान में यह भी था कि ऐसे किसी भी बदलाव को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कसूरी ने दावा किया कि कोई भी अंतरराष्ट्रीय शक्ति इस्लामिक देशों को इजराइल को मान्यता देने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। उसने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच मजबूत होते रक्षा संबंधों का भी जिक्र किया और कहा कि पाकिस्तानी सैन्य क्षमता किसी भी बाहरी प्रभाव का मुकाबला कर सकती है।

अपने भाषण में कसूरी ने जिहाद, शहादत और फिलिस्तीन युद्ध से जुड़े मुद्दों का हवाला देते हुए समर्थकों को संबोधित किया। उसने कहा कि इजराइल को मान्यता देने वालों का विरोध किया जाएगा और यह संघर्ष लंबे समय तक जारी रहेगा।

'महिला सांसदों के साथ ऐसा व्यवहार', एमपी काकोली घोष ने कल्याण बनर्जी पर लगाए संगीन आरोप, सजा देने की भी मांग की

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (ळटउ) इन दिनों सिर्फ विपक्ष के हमलों से नहीं, बल्कि अपनी ही पार्टी के अंदर उठ रहे बवंडर से जूझती दिख रही है। पार्टी की चार बार की सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने अब खुलकर बगावती तेवर अपना लिए हैं। मामला सिर्फ नाराजगी तक सीमित नहीं है, बल्कि अब यह संसद के भीतर "महिला सांसदों के साथ अपमानजनक व्यवहार" जैसे गंभीर आरोपों तक पहुंच चुका है।

काकोली घोष ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर ळटउ सांसद और पार्टी के मौजूदा चीफ व्हिप कल्याण बनर्जी के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज करने की अनुमति मांगी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कल्याण बनर्जी का व्यवहार उनके साथ ही नहीं, बल्कि कई महिला सांसदों के प्रति भी अपमानजनक रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने ळटउ की अंदरूनी लड़ाई को राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना दिया है। सवाल सिर्फ एक सांसद की नाराजगी का नहीं, बल्कि उस राजनीतिक असंतोष का है जो बंगाल चुनाव के बाद तेजी से सतह पर आता दिख रहा है।

पार्टी के भीतर लंबे समय से चल रही खींचतान अब खुलकर दिल्ली के गलियारों तक पहुंच चुकी है। टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक औपचारिक शिकायती पत्र भेजा है। इस पत्र में उन्होंने अपनी ही पार्टी के नवनियुक्त चीफ व्हिप कल्याण बनर्जी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

दुर्व्यवहार का आरोपः

काकोली घोष का दावा है कि लोकसभा के भीतर कल्याण बनर्जी ने उनके साथ बेहद अमर्यादित और अपमानजनक व्यवहार किया।

केवल एक नहीं, कई महिला सांसद शिकारः पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि कल्याण बनर्जी का यह अनुचित रवैया केवल उनके प्रति नहीं था, बल्कि वे सदन में कई अन्य महिला सांसदों के साथ भी इसी तरह का अपमानजनक बर्ताव करते रहे हैं।

सख्त सजा की मांगः उन्होंने लोकसभा स्पीकर से इस मामले में तुरंत दखल देने, औपचारिक शिकायत दर्ज करने की अनुमति देने और कल्याण बनर्जी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए 'सजा' सुनिश्चित करने की गुहार लगाई है।

आखिर विवाद की शुरूआत कहां से हुई?

असल टकराव की शुरूआत तब मानी जा रही है जब पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद ममता बनर्जी ने पार्टी के संसदीय ढांचे में बड़ा बदलाव किया। काकोली घोष को लोकसभा में चीफ व्हिप के पद से हटाकर यह जिम्मेदारी कल्याण बनर्जी को दे दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यहीं से दोनों नेताओं के बीच दूरी बढ़नी शुरू हुई।

काकोली घोष ने इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर भी नाराजगी जाहिर की थी। पार्टी के भीतर यह संदेश गया कि वह खुद को साइडलाइन महसूस कर रही हैं। दिलचस्प बात यह भी रही कि उन्हें पद से हटाए जाने के कुछ घंटों के भीतर केंद्र सरकार ने श्रेणी की सुरक्षा देने का फैसला लिया। यह फैसला ऐसे समय आया जब ळटउ के कई बड़े नेताओं की सुरक्षा घटाई जा रही थी। इससे राजनीतिक चचाओं को और हवा मिली।

शुभेंदु अधिकारी की बैठक में पहुंचीं, फिर बढ़ा सस्पेंस

मामला तब और गर्म हो गया जब काकोली घोष पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी की अध्यक्षता वाली एक बैठक में नजर आईं। बताया गया कि पार्टी ने उन्हें अनौपचारिक तौर पर वहां जाने से मना किया था।

बैठक के बाद शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि काकोली घोष ने उनसे कहा, "अब मुझे आजादी मिल गई है।" इसके बाद ळटउ में अटकलें तेज हो गईं कि क्या वह पार्टी छोड़ सकती हैं। हालांकि उन्होंने अभी तक सांसद पद या पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है।

काकोली घोष दस्तीदार पश्चिम बंगाल की राजनीति का एक बेहद स्थापित और जाना-माना चेहरा हैं। 23 नवंबर 1959 को जन्मी 66 वर्षीय काकोली का परिवार पिछले तीन पीढ़ियों से देश और राज्य की राजनीति व लोकसेवा से जुड़ा हुआ है।

पारिवारिक विरासतः उनके नाना पश्चिम बंगाल के पोस्टमास्टर जनरल थे। उनके सगे चाचा स्वर्गीय अरुण मैत्रा एक स्वतंत्रता सेनानी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रह चुके थे। वहीं उनके मामा गुरुदास दासगुप्ता भी भारतीय संसद के सम्मानित सदस्य थे।